शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

शैक्षिक कविताओं का संकलन

काव्य मंजरी

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

NIPUN BHARAT

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

01

T.L.M

स्कूल में सब TLM बनाते,
TLM की सहायता से पढ़ाते।
TLM से सिखाना आसान,
सरल करे यह शिक्षण कार्य।।

जब कोई पाठ हो पढ़ाना,
पहले उसका TLM बनाना,
TLM के माध्यम से पढ़ाओ,
बच्चों को भागीदार बनाओ।।

किसी पाठ को पढ़ाने के लिए,
शिक्षण को जो सरल बनाये।
टॉपिक को आनन्दमय करे जो,
वही सामग्री TLM कहलाये।।

हर कक्षा में TLM आता काम,
इसे बनाना बड़ा आसान,
नयी-नयी चीजें जब बच्चे पायें,
कक्षा में सब बच्चे मुस्कायें।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

काव्य मंजरी मिशन शिक्षण संवाद

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

02

रीड अलांग एप

रीडिंग ट्यूटर एक एप है,
रीड अलांग है जिसका नाम।
मजेदार ढंग से जो सिखाता,
खेल और कहानियाँ तमाम।।

फ़ोन में डाउनलोड करो ये,
और प्रोफ़ाइल बनाओ।
खेलो खेल और बनो पढ़ाकू,
खूब सितारे कमाओ।।

अंग्रेजी और हिन्दी स्पेलिंग,
खेलो खेल गुब्बारे वाला।
बिना इन्टरनेट चलता है ये,
एप बड़ा ही निराला।।

जहाँ अटक जाओ तुम बच्चों,
दिया दीदी को बुलाना।
खेल-खेल में फ़ोन बनाये,
सब बच्चों को सयाना।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

03

उपचारात्मक शिक्षण

उपचारात्मक शिक्षण से,
अब बच्चों को पढ़ाना है।
पीछे रह गए जो बच्चे अब,
उनको मुख्य धारा में लाना है।।

सरल सहज शिक्षण को,
हम सबको अपनाना है।
रोचक शिक्षण विधियों से,
शिक्षण को सरल बनाना है।।

सीखेंगे अब बच्चे और,
अपना भविष्य सजाएँगे।
उपचारात्मक शिक्षण से अपनी,
कामियों को दूर कर पाएँगे।।

कमजोर बच्चे शिक्षण में,
देखो अब आगे आएँगे।
पाकर उपचारक शिक्षण,
कक्षा में बेहतर कर पाएँगे।।

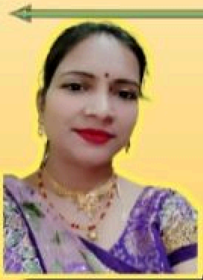

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
कानपुर देहात

04

प्रोत्साहन

श्रेष्ठ काम की करें प्रसंशा,
उसको कहते प्रोत्साहन।
पुरस्कार दें मान बढ़ाये,
हर्षित होता इससे मन।।

पुरस्कार भी होता है,
प्रोत्साहन का ही एक रूप।
कार्य करते विद्यालय में मिलकर,
सहते है नित तेज धूप।।

जब मिलता है उनको अवसर,
प्रतिभा अपनी दिखलाते है।
देखकर उनके रंग-ढंग,
हम तो चकित रह जाते है।।

आगे उन्हें बढ़ाने को,
प्रोत्साहन बहुत जरूरी है।
मन की गहराई से दे उनको,
ना समझे कोई मजबूरी है।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

काव्य मंजरी

मिशन शिक्षण संवाद

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

05

निपुण लक्ष्य

भाषा, गणित के लक्ष्य को,
लो विस्तार से जान।
बने निपुण भारत सुनो,
शासन का फरमान।।

अक्षर, ध्वनि, दो सरल शब्द,
पढ़कर बच्चा हो दक्ष।
दस तक के अंको की पहचान,
बाल वाटिका का लक्ष्य।।

कक्षा दो का निपुण लक्ष्य,
भाषा का दें बतलाय।
45 शब्द प्रति मिनट में,
जो बच्चा पढ़ पाय।।

गणित में 999 तक की,
संख्याओं की पहचान।
99 तक की संख्या का घटाव,
कर बच्चे बनें महान।।

ऐसे छोटे वाक्य जो,
सरल शब्द से बनते।
पढ़कर बच्चे कक्षा एक का,
लक्ष्य हासिल करते।।

60 शब्द प्रति मिनट में,
जो पढ़े अर्थ के साथ।
कक्षा 3 का वह बच्चा,
देखो निपुण कहात।।

99 तक की संख्याएँ,
जो बच्चे पढ़-लिख लेते।
सरल जोड़-घटाव को,
चुटकी में हल कर देते।।

नौ हजार नौ सौ निन्यानवे,
सरल गुणा के सवाल।
समझ के साथ जो हल करे,
निपुण बने वह लाल।।

रचना- मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
क्षेत्र- सादाबाद, जनपद- हाथरस

06

शिक्षक डायरी

शिक्षक के अन्तर में निहित भावनाओं को,
लेखन में ले आती है डायरी।
छात्रों के संग उसके पारस्परिक सम्बन्धों के,
बारे में बताती है डायरी।।

शिक्षक डायरी शिक्षक की शिक्षा का,
एक महत्वपूर्ण हथियार है।
स्कूल के अन्दर किए जाने वाले सभी,
क्रियाकलापों का अद्भुत संसार है।।

किस शिक्षण पद्धति से, कितना,
और किस विषय को पढ़ाना है?
मूल्यांकन प्रक्रिया व कार्य योजना का,
अभिलेखीकरण कराना है।।

अध्यापकों को एक लक्ष्य प्रदान,
कर देती है शिक्षक डायरी।
मासिक पाठ्यक्रम को पक्षों में,
विभाजित कर देती है डायरी।।

श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, जनपद- अलीगढ़

07 खेल आधारित शिक्षा

हम हासिल करेंगे नया ज्ञान,
अब तो खेल–खेल में।
बढ़ जाएगा ज्ञान–विज्ञान,
शिक्षण होगा खेल–खेल में।।

खेल भी होगा संज्ञान खोजी,
जिज्ञासु बच्चे अब होंगे खोजी।
बढ़ेगा उनका शब्द भण्डार अब,
अवधान अवधि का होगा समाधान तब।।

नयी-नयी युक्ति से चलेंगी कक्षाएँ,
शाब्दिक अभिव्यक्ति भी अपनाएँ।
कल्पनाशीलता को मिलेगा स्थान अब,
सहयोग, सहानुभूति पाएगा विकास तब।।

नाट्य रूपान्तरण बच्चे करेंगे,
अमूर्त चिंतन साकार करेंगे।
सक्रिय और उत्साहित कक्षाएँ,
लक्ष्य को छात्र अब प्राप्त करेंगे।।

रचना–
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद– गोरखपुर

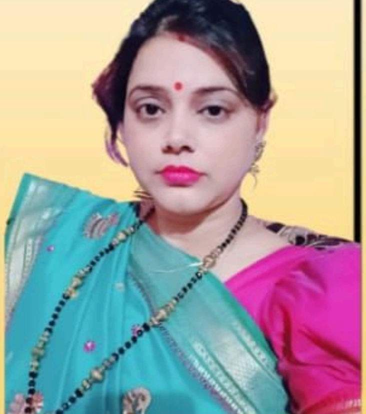

08 गतिविधि आधारित शिक्षण

गतिविधि आधारित शिक्षण में छात्र,
गतिविधि कर ज्ञान प्राप्त करता है।
पाठ्यक्रम को ना रट कर बल्कि,
व्यवहारिक शिक्षा की ओर बढ़ता है।।

इस गतिविधि के होते दो प्रकार,
एक शारीरिक और दूजा मानसिक।
सीखें छात्र सक्रिय हो बढ़े ज्ञान आकार,
स्वयं मूल्यांकन कर होता प्रफुल्लित।।

इस शिक्षण के दौरान विद्यार्थी पूर्ण,
रूप से सक्रिय हो भाग लेते हैं।
दौड़ना, चलना, नाचना, योग और,
खेल- खेल में ही ज्ञान प्राप्त करते हैं।।

शिक्षक के साथ छात्र समस्या और,
उसके समाधान पर अग्रसर होते हैं।
रूचिपूर्ण शिक्षण से पढ़ाई कर छात्र,
स्थाई ज्ञान से अच्छा भविष्य बुनते हैं।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

09

दीक्षा एप

गूगल प्ले एप से ये,
डाऊनलोड हो जाती है।
दीक्षा एप शिक्षकों और,
बच्चों दोनों के काम आती है।।

इसमें पाठ्यपुस्तकों को स्कैन,
किया जा सकता है।
इंटरनेट के बिना भी इसका,
उपयोग किया जाता है।।

DIKSHA
Platform for Teachers, Students and Parents

अपनी कक्षा को रुचिकर,
बनाने की सामग्री पाएं।
अन्य साथियों के अनुभव से,
स्पष्ट करें मुश्किल अवधारणायें।।

विभिन्न कोर्स पूरा करने पर,
बैज, प्रमाणपत्र करें अर्जित।
पाठ्यक्रमों में होकर शामिल,
अपनी क्षमता करें विकसित।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

काव्य मंजरी

मिशन शिक्षण संवाद

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

10 शिक्षण योजना

जाते ही कक्षा में शिक्षक,
बच्चों में उत्साह भरें।
टी० एल० एम० की ले सहायता,
पाठ का प्रस्तुतीकरण करें।।

शिक्षण योजना बनी हो पहले,
बच्चों के स्तर अनुरूप।
अधिगम में होती अभिवृद्धि,
स्थायी हो ज्ञान का स्वरूप।।

जब कक्षा में पाठ पढ़ाने जाएँ,
शिक्षण योजना एक प्रभावी बनाएँ।
पाठ्य वस्तु का विश्लेषण करके पहले,
वातावरण कक्षा का उपयुक्त बनाएँ।।

सोद्देश्य प्रकिया एक यह,
शिक्षण व्यवस्था को सुधारती।
रुचिकर करती कक्षा शिक्षण,
निपुण लक्ष्यों को सँवारती।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

11

अभिभावक बैठक

शिक्षक अभिभावक बैठक से,
शिक्षण को सफल बनाना है।
बच्चों की क्षमताओं के बारे में,
अभिभावकों को बताना है।।

विस्तार से होगी चर्चा और,
और सुझाव भी आएँगे।
बच्चों को निपुण बनाने को,
मिलकर प्रयास किए जाएँगे।।

शिक्षा के महत्व से सभी को,
अवगत कराया जाएगा।
बच्चों को नियमित स्कूल,
भेजने को प्रेरित किया जाएगा।।

शिक्षक अभिभावक बैठक से,
हम कमियों को दूर कर पाएँगे।
अभिभावकों के सहयोग से,
विद्यालय को निपुण बनाएँगे।।

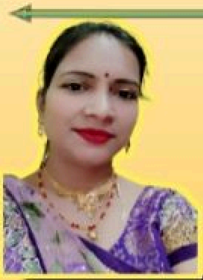

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
कानपुर देहात

12

विद्यालय प्रबन्ध समिति बैठक

विद्यालय विकास योजना बना कर,
करती है विद्यालय कल्याण।
सच पूछो तो एसएमसी,
कहलाती है विद्यालय की जान।।

आय-व्यय पर ध्यान कर,
रखती अपनी निगरानी।
असामाजिक तत्वों से निपटे,
जो करें स्कूल में शैतानी।

नामांकन और ठहराव पर,
रखती नित ध्यान।
एमडीएम, शिक्षण गुणवत्ता,
का करती सदा निदान।।

वृहद मरम्मत हो स्कूल की,
या कोई समस्या हो भारी।
सब बाधाओं को दूर करें,
कोशिश रहे सदा जारी।।

रचना - प्रेमचन्द (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसोला खुर्द
जानी, मेरठ

13

सामुदायिक सहभागिता

विद्यालय को चाहे,
यदि आगे बढ़ाना।
समाज के सहयोग,
को पड़ेगा अपनाना।।

समाज का सहयोग ही,
सामुदायिक सहभागिता होता है।
विद्यालय की भलाई के लिये,
अत्यन्त आवश्यक होता है।।

शिक्षक व समुदाय,
जब काम करेगा मिलकर।
उन्नति करेगा विद्यालय,
सुविधाएँ मिलेंगी जमकर।।

होगा विद्यालय में,
नुकसान भी थोड़ा कम।
जब शिक्षक व समुदाय,
बढ़ायेंगे मिलकर कदम।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर,
परीक्षितगढ़, मेरठ

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

14 उपस्थिति एवं ठहराव

सब बच्चों को निपुण बनाना है,
विद्यालय में ठहराव लाना है।
जीतकर बच्चों के विश्वास को,
परिवर्तित व्यवहार अपनाना है।।

बच्चों में बच्चे बनकर हम,
खेलें और झूमें उनके संग-संग।
खेल-खेल में उनको सिखाएँ,
नयी-नयी गतिविधियाँ अपनाएँ।।

घर से प्यारा स्कूल बन जाये,
हर बच्चा यहाँ दौड़ के आये।
प्रयासरत हर अध्यापक हो,
उपस्थिति और ठहराव बढ़ाएँ।

हर अध्यापक अपना सा लगे,
बच्चों को सुन्दर सपना सा लगे।
उनके चेहरे खिल उठें प्रवेश कर,
विद्यालय सबसे प्यारा अपना लगे।।

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान　शिक्षक का सम्मान　मानवता का कल्याण

काव्य मंजरी　मिशन शिक्षण संवाद

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

15

निपुण लक्ष्य एप

निपुण लक्ष्य में हो सुधार,
शिक्षा ले एक नया आकार।
भाषा, गणित मे हो बदलाव,
पढ़ने मे हो एक नया रूझान।।

निपुण भारत का अभियान,
भाषा, गणना का हो ज्ञान।
विभाग ने किया एक काम,
निपुण लक्ष्य इस एप का नाम।।

एप के ज़रिए कक्षा-1 से 3 की,
दक्षताओं का होगा आकलन।
मेंटर्स द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण से,
बच्चों के ज्ञान का होगा मूल्यांकन।।

इस एप से जाँचा जायेगा अब तक,
कितने बच्चे दक्षताओं में दक्ष हुए।
इस एप का प्रयोग करने के लिए,
विभाग द्वारा शिक्षक प्रशिक्षित हुए।।

रचना:-
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
अमौली, जनपद- फतेहपुर

16

अभ्यास के अवसर

बच्चों को अभ्यास के अवसर,
जब उपलब्ध कराए जाते हैं।
खेल-खेल में शीघ्रता से,
तब बच्चे सीख जाते हैं।।

शिक्षण बनता रुचिकर जब,
अभ्यास के अवसर मिलते हैं।
शिक्षण होता प्रभावशाली,
सभी बच्चे आगे बढ़ते हैं।।

कठिन से कठिन विषय में,
बच्चे निपुण बन जाते है।
अभ्यास के अवसर पाकर,
बच्चे सरलता से सीख जाते हैं।।

समान रूप से हर बच्चे को,
कक्षा में अभ्यास अवश्य कराएँ।
बच्चों को दें उत्तम शिक्षा,
विद्यालय निपुण बनाएँ।।

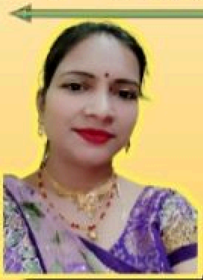

रचना:-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
कानपुर देहात

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

17 शिक्षक संकुल बैठक

हर महीने सीखते हैं कुछ नया हम,
होकर शामिल शिक्षक संकुल बैठक में।
अपनाते हैं नयी-नयी विधियों को,
बढ़ाने को बच्चों का ज्ञान कक्षा में।।

हर कोई लिए है हुनर अपने आप में,
कुछ सीखते हैं और कुछ सिखाते हैं।
कम नहीं है यहाँ कोई किसी काम में,
सब मिल बैठक को सफल बनाते हैं।।

खेल-खेल में जल्दी सीखेते हैं बच्चे,
तो पढ़ाई के साथ खेल भी खिलाते हैं।
एक दूसरे के ज्ञान से होकर लाभान्वित,
हम नयी-नयी गतिविधियों को अपनाते हैं।।

हर बच्चा हमको निपुण बनाना है,
अपने विद्यालय को चमकाना है।
संकुल की बैठक में उपस्थित हो,
अपने विद्यालय का मान बढ़ाना है।।

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

18

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण से,
शिक्षण में सुधार होता है।
शिक्षकों की समस्याओं का,
उचित समाधान होता है।।

ए० आर० पी०, एस० आर० जी०,
और डायट मेंटर जब भी आते हैं।
शिक्षण में सुधार हेतु नयी-नयी,
तकनीकियाँ हमें बतलाते हैं।।

समूह कार्य, गतिविधि और खेल,
बच्चों को रुचिकर लगते हैं।
इनके माध्यम से पढ़ाने पर,
बच्चे जल्दी सीख लेते हैं।।

अधिक से अधिक अभ्यास के,
अवसर उनको जब हम देते हैं।
कठिन से कठिन लर्निंग आउटकम,
को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं।।

एक-दूसरे के सहयोग से हमें,
हर बच्चे को निपुण बनाना है।
सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का,
यही रूप सबको अपनाना है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (ए०आर०पी०)
वि० क्षे०- बागपत
जनपद- बागपत

19

सामाजिक जागरूकता

निपुण भारत बनाने में,
जरूरी है सहयोग सबका।
ये काम अकेले नहीं है,
किसी एक शिक्षक का।।

जागरुक करें अभिभावकों,
पड़ोसी को, प्रधान को।
मिलकर जल्दी पायेंगे हम,
इस लक्ष्य महान को।।

सब की सहभागिता होगी,
तो बच्चे घर नहीं रुकेंगे।
मन लगाकर यदि पढ़ेंगे,
तभी तो निपुण बनेंगे।।

जन जन को अब ये,
मन में ठान ही लेना है।
अपने विद्यालय का हर,
बच्चा निपुण करना है।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

काव्य मंजरी मिशन शिक्षण संवाद

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

20 निपुण तालिका

भाषा एवं गणित की अपेक्षित,
दक्षताएं बतलाये निपुण तालिका।
कक्षावार और विषयवार लर्निंग,
आउटकम सुझाये निपुण तालिका।।

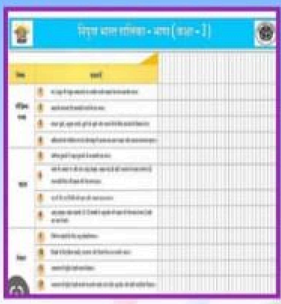

संख्या पूर्ण अवधारणा, गिनती 10 तक,
बाल वाटिका के नन्हे बच्चों की पहचान।
99 तक संख्या पहचान और लिखकर,
नन्हे बालक कक्षा-1 में बनें महान।।

999 तक संख्या पढ़ो और लिखो,
कक्षा 2 में करें आकृति पहचान।
9999 तक पढ़ना-लिखना,
3 में जानें गुणन निर्माण।।

बाल वाटिका से कक्षा-3 तक,
निर्धारित दक्षताएं होती है इसमें।
शिक्षण का केंद्र बनाकर इसको,
शिक्षक करें निपुण छात्र जिसमें।।

दो अक्षर के सरल शब्द,
बच्चे पढ़ें बाल वाटिका के।
एक के बच्चे वाक्य पढ़ें,
जो बनें हों सरल शब्द के।।

45 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से,
वाक्य पढ़े बच्चे कक्षा- 2 के।
60 शब्द पढ़ें कक्षा - 3 के बच्चे,
वो भी पूरे भाव और अर्थ के।।

दक्षताओं का सतत आकलन,
हर अध्यापक को करते जाना है।
जो भी दक्षता हासिल करे बच्चा,
निपुण तालिका में भरते जाना है।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

21

दक्षता आधारित शिक्षण

नवाचारी शिक्षण योजना,
शिक्षण संदर्शिका से पढ़ाना है।
समय सारणी बनाकर सबको,
दक्षता आधारित शिक्षण कराना है।।

चित्र, चार्ट, कविता, कहानी से,
मौखिक अभिव्यक्ति बढ़ाना है।
डिकोडिंग का अभ्यास करा,
कर पढ़ने में दक्ष बनाना है।।

वर्क बुक का नित प्रयोग करा कर,
साप्ताहिक शिक्षण कराना है।
मैंने सीख लिया प्रपत्र से,
हर बच्चे का आकलन पाना है।।

ग्रुप निर्धारण कर बच्चों का,
उपचारात्मक शिक्षण देना है।
अपनी और लगन से,
हर बच्चा दक्ष बनाना है।।

रचना-
प्रेमचंद (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसोला खुर्द(1-8)
क्षेत्र-जानी, मेरठ

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

22 शिक्षण संदर्शिकाओं का प्रयोग

निपुण लक्ष्य अभियान दिलाएगा,
शिक्षा के अब बेहतर आयाम।
बाल वाटिका से कक्षा तीन तक,
बच्चों को निपुण बनाना आसान।।

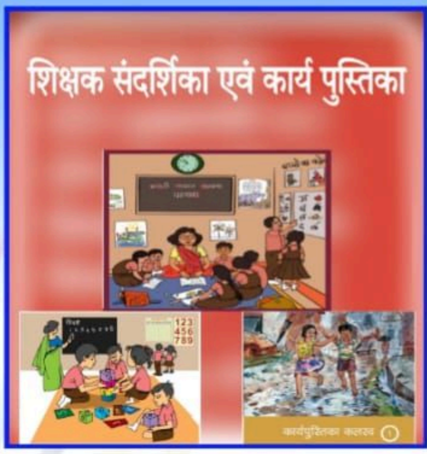

बाइस सप्ताह की कार्ययोजना,
संदर्शिकाओं में हैं मिल जाती।
कक्षा-शिक्षण के नये तरीके,
संदर्शिकाएँ शिक्षक को बताती।।

भाषा और गणित का शिक्षण,
करना होता बड़ा आसान।
कक्षा-शिक्षण में महत्वपूर्ण,
शिक्षण संदर्शिकाओं का स्थान।।

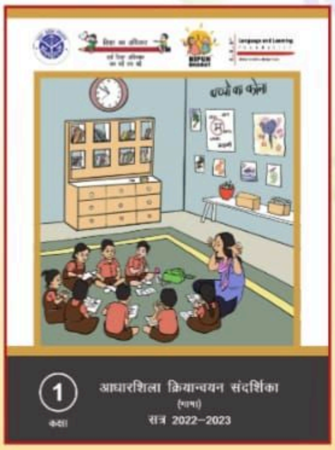

रुचिकर ढंग से सीखे बच्चा,
हिन्दी और सवाल तमाम।
निपुण बनेगा अब हर बच्चा,
होगा शिक्षक का काम आसान।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

23 कार्यपुस्तिका

कार्यपुस्तिका में किताब के,
अभ्यास कार्य सब पाठों का।
सतत् आकलन हो इससे,
बच्चों का इन इन सब पाठों का।।

जो भी पढा, ज्ञान सीखा है,
जो भी उन्हें सिखाया सुनलो।
कार्यपुस्तिका के भरने से,
पता चले शिक्षण का गुनलो।।

स्वानुभाव का ये जरिया है,
इन्हें भरो हो स्वआकलन।
तुम्हें तुम्हारी कमी दिखेगी,
करना फिर उसका ही अध्ययन।।

इनमें ज्ञान भरा है भारी,
क्रियाशील रख सतत् हमें ये।
रोचकता, नवीनता इनमें,
नये कलेवर से मंडित ये।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

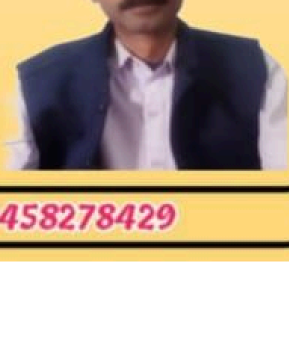

24 सतत आंकलन

सतत मूल्यांकन और व्यापक मूल्यांकन

सीखने के लिये अपनाई जाएं,
विभिन्न विभिन्न गतिविधियाँ।
सीखना है सतत प्रक्रिया और,
आंकलन के लिये हैं अनेक विधियाँ।।

निरन्तर या लगातार होने वाले,
आंकलन को कहते सतत मूल्यांकन।
इससे बच्चे के सभी शैक्षिक और,
सह शैक्षिक क्षेत्रों का होता मूल्यांकन।।

बच्चा क्या जानता है, क्या नहीं,
इसका है हमें पूर्ण ध्यान रखना।
सीखने में आने वाली समस्या,
पहचानना और समाधान करना।।

सर्वांगीण विकास के लिए,
जरूरी है सतत मूल्यांकन।
औपचारिक और अनौपचारिक,
दोनों तरह से होता ये मूल्यांकन।।

रचना
ज्योति सागर' सना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

25

निपुण सूची

संख्या पूर्व अवधारणा ,10 तक गिनती ,
बाल वाटिका की पहचान ।
99 तक पढ़ना-लिखना ,
कक्षा 1 में करें बखान ।।

निपुण भारत सूची - गणित (बालवाटिका)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	वस्तुओं की गिनती और 10 तक संख्याओं से सह सम्बंध स्थापित करना।
	2	10 तक के अंको को पहचानना और पढ़ना।
	3	वस्तुओं की संख्या के संदर्भ में दो समूहों की तुलना करना और अधिक / कम / बराबर आदि जैसे शब्दों का उपयोग करना।
	4	एक क्रम में घटनाओं की संख्या / वस्तुओं / आकृतियों / घटनाओं को व्यवस्थित करना।
	5	वस्तुओं को उनकी अवलोकनीय विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करना और वर्गीकरण के मानदंड का संचार करना।
	6	अपने आसपास की विभिन्न वस्तुओं के संदर्भ में तुलनात्मक शब्दों का उपयोग करना जैसे - लम्बे, सबसे लम्बे, सबसे छोटे से अधिक, हल्के आदि।

निपुण भारत सूची - भाषा (बालवाटिका)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	दोस्तों और शिक्षकों से बात करना।
	2	समझ के साथ तुकांत / कविताएं गाना।
पढ़ना	3	किताबों को देखना और चित्रों की मदद से कहानी पढ़ने का प्रयास करना।
	4	कुछ परिचित दोहराए गए शब्दों को पहचानने और इंगित करने की शुरुआत करना (दृष्टि शब्दों या खाद्य कंटेनर / रैपर पर छपे शब्द)
	5	अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचानना।
	6	कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ना।
लेखन	7	खेल के दौरान पहचान वाले अक्षरों को लिखने का प्रयास करना।
	8	आत्म अभिव्यक्ति के लिए पेंसिल घसीटना या चित्र बनाना
	9	पेंसिल को ठीक से पकड़ना और पहचानने योग्य अक्षर बनाने के लिए उपयोग करना।
	10	अपने नाम के पहले शब्द को पहचानना और लिखना।

999 तक पढ़ो-लिखो,
कक्षा दो में आकृति पहचान ।
9999 तक पढ़ना-लिखना,
3 में जानें गुणन निर्माण।।

दो अक्षर के सरल शब्द,
बच्चे पढ़ें बालवाटिका के,
एक के बच्चे वाक्य पढ़ें,
जो बने हों सरल शब्दों के।।

45 शब्द प्रति मिनट से,
वाक्य पढ़ें बच्चे दो के।
60 शब्द पढ़ें 3 के बच्चे,
वो भी साथ में अर्थ के।।

रचना- नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

शिक्षा का उत्थान · शिक्षक का सम्मान · मानवता का कल्याण

काव्य मंजरी

मिशन शिक्षण संवाद

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

26 उपस्थिति एवं ठहराव

आओ सब मिल करें प्रयास,
जिनने बच्चे हों नामांकित।
उनको नित लायें स्कूल,
रहें समय पूरे वे उपस्थित।।

औरों को भी संग में लाकर,
नयी शिक्षा की नीति बतावें,
नयी-नयी गतिविधियों को सब,
जन-जन में हर घर पहुँचावें।।

बोझ नहीं है अब ये शिक्षा,
हल्का बस्ता नि:शुल्क भोजन।
जो भी आवश्यक सब मिलता,
यहाँ यही जानें सब जन-जन।।

अगर बतावें इन सबको हम,
कोई नहीं अनुपस्थित होगा।
सभी जायेंगे, रोज रहेंगे,
पूरे दिन सुखमय सब होगा।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
वि० क्षे०- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

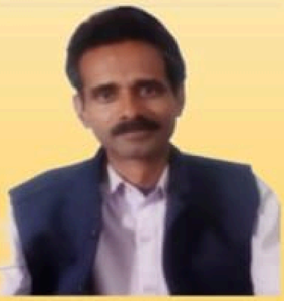

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

27

कार्यपुस्तिका

कार्यपुस्तिकाएं शिक्षण में,
अहम भूमिका निभाती हैं।
कार्यपुस्तिकाओं से शिक्षण प्रक्रिया,
रुचिकर और गुणवत्तापरक हो जाती है।।

ऑफलाइन और ऑनलाइन दो रूपों में,
उपलब्ध होती कार्यपुस्तिकाएं।
विविध भाति के प्रश्न समाहित जिनमें,
उपयोगी सभी विषय की कार्यपुस्तिकाएं।।

कार्यपुस्तिका से हर बच्चे को,
करके सीखने का अवसर मिलता है।
क्या ग्रहण किया, कितना सीखा बच्चे ने,
इसका आकलन भी सहज होता रहता है।।

समस्या जहाँ कही भी आती बच्चों को,
उपचार शिक्षक द्वारा त्वरित की जाती है।
उपचारात्मक शिक्षण की सुन्दर साथी,
ये कार्यपुस्तिकाएं कहलाती हैं।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

निपुण विद्यालय हेतु प्रयास

28 विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)

SMC स्कूल में अध्ययनरत बच्चों के,
माता-पिता और शिक्षकों से बनती है।
यह विद्यालय विकास योजना तैयार कर,
अनुशंसा करते हुए क्रियान्वयन करती है।।

SMC में कुल 15 सदस्य होते हैं जिनमें,
पचास प्रतिशत महिला सदस्य होते हैं।
जिसमें तीन चौथाई सदस्य अभिभावक,
4 सदस्य पदेन या मनोनीत व्यक्ति होते हैं।।

SMC की बैठक प्रत्येक माह के एक,
निश्चित दिन पर आयोजित की जाती है।
विद्यालय परिसर, चौपाल या अन्य किसी,
सुविधाजनक स्थान पर करायी जाती है।।

SMC का कार्य भौतिक संसाधनों की,
उपलब्धता, रखरखाव सुनिश्चित करना है।
विद्यालय गतिविधियों की समीक्षा करके,
शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयास करना है।।

रचना- पूनम नैन (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय मुकंदपुर
छपरौली, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

रचनाकारों की सूची

01 शहनाज बानो, चित्रकूट	15 इला सिंह, फतेहपुर
02 शिखा वर्मा, सीतापुर	16 मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
03 मृदुला वर्मा, कानपुर देहात	17 सीमा शर्मा, बागपत
04 भावना शर्मा, मेरठ	18 जितेन्द्र कुमार, बागपत
05 मंजू शर्मा, हाथरस	19 ज्योति सागर, बागपत
06 पूनम गुप्ता, अलीगढ़	20 नीलम भास्कर, बागपत
07 सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर	21 प्रेमचन्द, मेरठ
08 नीलम भास्कर, बागपत	22 शिखा वर्मा, सीतापुर
09 ज्योति सागर, बागपत	23 जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
10 शिखा वर्मा, सीतापुर	24 ज्योति सागर, बागपत
11 मृदुला वर्मा, कानपुर देहात	25 नीतू सिंह, एटा
12 प्रेमचन्द, मेरठ	26 जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी
13 भावना शर्मा, मेरठ	27 सुमन सिंह, सोनभद्र
14 सीमा शर्मा, बागपत	28 पूनम नैन, बागपत

मार्गदर्शन

राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

तकनीकी सहयोग

जितेन्द्र कुमार, बागपत

ज्योति सागर, बागपत

काव्य मंजरी टीम मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429